संक्षिप्त आख्या

द्वि–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ''भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयीः मानवता, राष्ट्रवाद एवं राजनीति के कालजयी अग्रदूत'' (Bharat Ratna Atal Bihari Vajpayee: An Immortal Herald of Humanity, Nationalism and Politics) (24–25 सितम्बर, 2022)

महाविद्यालय की रजत जयंती उत्सव की श्रृंखला में **दिनांक 24–25 सितंबर, 2022** को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की स्मृतियों को पुनर्जीवित करने एवं उनके राष्ट्रोत्थान व देश कल्याण हेतु अप्रतिम योगदान के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए **द्वि–दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयीः मानवता, राष्ट्रवाद एवं राजनीति के कालजयी अग्रदूत"** विषय पर आयोजित की गयी जिसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों के 150 से अधिक शिक्षकों एवं शोधार्थियों द्वारा संगोष्ठी के बहुआयामी और बहुविषयक उपविषयों पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये गये। उक्त संगोष्ठी में अटल जी के जीवन व उनके कृतित्व पर विचार–विमर्श करने हेतु 04 तकनीकी सत्रों के साथ–साथ 01 ऑनलाइन शोधपत्र प्रस्तुतीकरण सत्र, उद्घाटन व समापन सत्रों का भी संचालन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से किया गया।

उद्घाटन सत्र में **प्राचार्य प्रो0 अनुराधा तिवारी** ने अतिथियों का स्वागत करते हुये श्रद्धेय अटल जी के साथ बिताये गये अपने अनुभवों को सांझा किया गया। अटल जी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर आधारित महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित एक पुस्तिका **"हमारे अटल : मानववाद, राष्ट्रप्रेम और राजनीति के कालजयी अग्रदूत"** और संगोष्ठी ई–स्मारिका का विमोचन गणमान्य अतिथियों द्वारा किया गया। उद्घाटन सत्र में **मुख्य अतिथि श्री योगेन्द्र उपाध्याय,** मा0 मंत्री, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश सरकार, उ0प्र0, विशिष्ट अतिथि डॉ0 नीरज बोरा, प्रो0 आलोक कुमार राय, प्रो0 मनोरमा सिंह और डॉ0 विनीत कुमार श्रीवास्तव तथा **मुख्य वक्ता प्रो0 विजय कर्ण,** विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग, नव–नालंदा विश्वविद्यालय, बिहार रहे।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के विभिन्न सत्रों में बीज वक्ता और गणमान्य अतिथियों के रूप में प्रो0 मनोज अग्रवाल, डॉ0 सनोबर हैदर, डॉ0 अर्चना सिंह, प्रो0 बृजेन्द्र पाण्डेय, प्रो0 दीपक कुमार सिंह, डॉ0 शिखा चौहान, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, डॉ0 स्नेहलता शुक्ला, प्रो0 मंजुला उपाध्याय, डॉ0 सत्यकेतु, डॉ0 शरद कुमार वैश्य, डॉ0 जान्हवी ओझा, डॉ0 आलोक सिंह, डॉ0 दिव्या पाल, प्रो0 सी0एस0 वर्मा, डॉ0 उमा सिंह, डॉ0 हर्ष मणि सिंह, डॉ0 राघवेन्द्र मिश्रा और डॉ0 विष्णु मिश्रा ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ायी।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में **मुख्य अतिथि श्री महेंद्र सिंह, पूर्व मंत्री,** उत्तर प्रदेश सरकार, उ0प्र0 व मा0 सदस्य, विधान परिषद, उ0प्र0, विशिष्ट अतिथि श्री घनश्याम शाही और विशिष्ट वक्ता प्रो0 विजय कर्ण ने अटल जी एक लोकप्रिय जननायक बताया। प्राचार्य प्रो0 अनुराधा तिवारी के कुशल नेतृत्व में और महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों और छात्राओं के अतुलनीय सहयोग से राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक का दायित्व डॉ0 राजीव यादव, असिस्टेन्ट प्रोफेसर–अंग्रेजी और आयोजन सचिव की जिम्मेदारी डॉ0 जय प्रकाश वर्मा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर–अर्थशास्त्र ने सफलतापूर्वक सम्पन्न की।